



کلیم مهرورزی

برگزیده‌ای از سیره‌ی امام موسی کاظم (ع)

برگرفته از کتاب چهارده آیه خورمید

فاشر:..... بهار دله

مؤلف: أبو الفضل هادي منش

گزینش مطالب:.....واحد پڑوہش نشر بہار دلہا

مدیر هنری: ابو الفضل رنجبران

صفحه آرایی حسین فرگسی

نویٲ چاپ: ۱۳۹۴ سوم

چاپخانه کوثر

٥٠٠٠ جلد

قسمت ۱۸۰۰ تومان

٢٣ ٢٧٧٤١٣٩٢

دفتر فم

912 753 2.43

AA 59479 Y 19.

www.baharnashr.ir



شماره ۱۲۵ - فصل ۱ - ۱۳۸۶

کلمہ پہلور: اے گود دی! میرے ہم ناصحہ غیبی اسلام ہوئے۔

الحمد لله

793 42 44 46

14. 3. 9. 28

2. 1. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842

$\text{F}_2\text{AY} \neq \text{F}_2\text{AY}^{\dagger}$

10

موسس : جعفر اقبال مراد عثمانی ۱۳۸۳ء

1992

9. 2014. 10. 2014. 11. 2014. 12. 2014.

[3] 1992-1994 3 2 1 2 3 4

157732

$$- \frac{1}{2} \frac{d^2}{dt^2} \left(\frac{1}{\rho} \right) + \frac{1}{2} \frac{d^2}{dt^2} \left(\frac{1}{\rho} \right) = 0$$

Answer: 10

محبوب و دوست

100

—

مباحث

Figure 1

سائنس

• **تعميم**

موضوع :

١٠٠

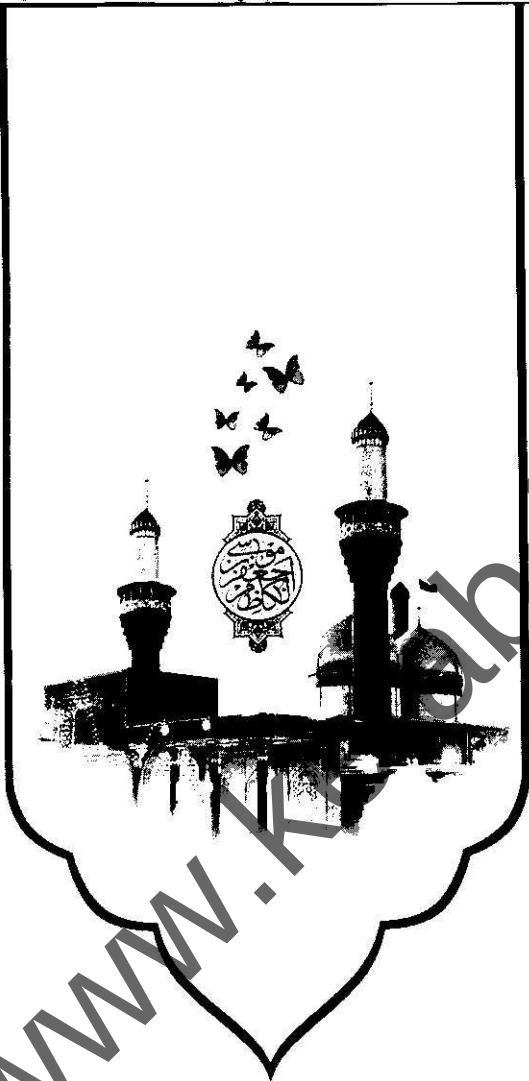
سیدہ ام ولد

۴۴۴

Figure 2. (continued)

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]



کلیم مهر ورزی

برگزیده‌ای از سیره‌ی امام موسی کاظم (ع)

برگرفته از کتاب چهارده آینه خورشید

فهرست

| | |
|----|--|
| ۷ | سیره امام کاظم <small>علیه السلام</small> |
| ۷ | مقدمه |
| ۹ | مردم‌داری |
| ۱۱ | صهباى گذشت |
| ۱۴ | پاسدار سنت نبوی <small>صلی الله علیه و آله</small> |
| ۱۵ | غم‌خوار دوستان |
| ۱۶ | جذبه عشق |
| ۱۸ | ارتباط عاطفی |
| ۲۱ | به دور از آرایش دنیا |
| ۲۲ | وقت‌شناس و بصیر |
| ۲۳ | گلبرگی از کرامات |
| ۲۳ | ۱. آئینه پاکان |
| ۲۵ | ۲. به سوی آفتاب |
| ۲۸ | ۳. نشان او |
| ۳۰ | ۴. خلعت نیرنگ |

۵. حافظ پاکان ۳۲
۶. سلاله آفتاب ۳۴
۷. روزه شیطان ۳۵
۸. خبر از پرده غیب ۳۶
۹. پیشوای راستگویان ۳۷
۱۰. پیک اجل ۳۸
۱۱. مردی از مغرب ۳۹
۱۲. خلیل در آتش ۴۱
۱۳. اعجاز دوست ۴۱
- برگی از دفتر آفتاب ۴۳

سیره امام کاظم علیه السلام

مقدمه

امام ابو الحسن موسی بن جعفر علیه السلام هفتمین پیشوای شیعه است. سیره اخلاقی آن بزرگوار از جهات مختلف حائز بررسی و مطالعه است. امام در اوضاع خفقان باری به سر می برد و سال های مدیدی را در زندان های مخوف عباسیان به سر برد. اما چنان که نوشته اند او شکر خدا را همچنان به جای می آورد و خدا را سپاس می گفت که گنجی خلوت برای عبادت و راز و نیاز با او یافته است. چنین کرامتی از هیچ انسانی جز آن کس که برگزیده از سوی خداست، ساخته نیست.

مشهور است که او را کاظم لقب دادند چون خشم خود را بسیار فرو می برد و از اشتباه دیگران چشم فرو می بست. پیوستگی با معبود و خلوت کردن با او، نمایان ترین نمود در سیره عبادی آن امام همام است و محدثین و

مورخین ایشان را بسیار به صفت عبادت ستوده‌اند. عالم بزرگ و دانشمند نامی شیعه شیخ مفید^۱ می‌گوید: «ابو الحسن موسی^۲ عابدترین اهل زمان خویش و فقیه‌ترین و با سخاوت‌ترین و کریم‌ترین آنها بود».

روایت شده است او نافله شب می‌خواند و آن را به نماز صبح متصل می‌کرد. سپس به تعقیبات ادامه می‌داد تا آفتاب طلوع می‌کرد. سپس به سجده می‌رفت و سر از سجده بر نمی‌داشت و به دعا و مشغول می‌شد تا زوال آفتاب نزدیک شود. او این دعا را زیاد می‌خواند: «اللهم اني اسئلك الراحة عند الموت والعفو عند الحساب: خدایا! راحتی را به هنگام مرگ و عفو را به هنگام حساب از تو می‌خواهم».

او آن را زیاد تکرار می‌کرد. هم‌چنین از دعاهایش این بود: «عظم الذنب من عبدك فليحسن العفو من عندك: [خداوند!] گناه بنده تو بزرگ گردیده پس عفو تو نیکو باشد».

نوشته‌اند: او همیشه از ترس خدا گریه می‌کرد به گونه‌ای که محاسنش از اشک خیس می‌شد. تعابیر اهل سنت درباره او عبارت از با سخاوت و کریم^۱، صالح، خداپرست، بخشنده، بردبار و دارای قدر و منزلت فراوان بود^۲.

۱. مرآة الجنان، ج ۱، ص ۳۹۲.

۲. العبر فی خبر من غیر، ج ۱، ص ۲۲۱.